श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री रामचंद्र प्रसाद सिंह (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती वंदना चव्हाण (महाराष्ट्र): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्रीमती झरना दास वैद्य (त्रिपुरा): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री गुलाम रसूल बलियावी (बिहार): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

† **جناب غلام رسول بلیاوی(بہار):** سر، میں بھی مانیئے سنسیے کے وکتویے سے خود کو سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री सन्तियुस कुजूर (असम): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नरेंद्र कुमार स्वैन (ओडिशा): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती सरोजिनी हेम्बम (ओडिशा): सर, मैं भी माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

Concern over supply of fake and adulterated fitness and food supplements in market

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मिलावट इस समाज के और देश के लिए इतना बड़ा अभिशाप हो गया है कि आज यही नहीं पता चलता कि खाने वाली कौन-सी सामग्री हमें सही मिल रही है और कौन सी गलत मिल रही है।

श्रीमन्, हाल ही में लोक सभा में हर्षवर्धन जी जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में दूध की जितनी भी सैम्पलिंग की गई, उसमें से 68 परसेंट सैम्पलिंग फेल हुई। इसका मतलब कि दिल्ली में 68 परसेंट नकली दूध बिक रहा है, जो हमारी राजधानी है, तो देश में कितना बिक रहा होगा? मैं अभी दो-तीन दिन पहले एक चैनल पर देख रहा था कि एक नकली दूध बनाने वाला उस चैनल पर बिना किसी भय के खुलेआम दिखा रहा था कि हम कैसे नकली दूध बनाते हैं, 100 लीटर दूध रोज बनाकर बेच लेते हैं और यह हमारी आमदनी का जरिया है। एसोचेम की रिपोर्ट में आया है कि देश में जो 70 परसेंट खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं, वे मिलावटी हैं। हालत तो

† Transliteration in Urdu script.

यह हो गई कि बाबा रामदेव जो प्रचार करते हैं, तो कहते हैं कि हमारा घी असली है, औरों का नकली है, हमारा सरसों का तेल शुद्ध घानी का है, बाकी लोगों का सरसों का तेल मिलावटी है। तो अगर देश में खाने के पदार्थों के मामले में भी यह हो गया है कि कौन असली है, और कौन नकली है और अगर उसके लिए भी यह कहना पड़े कि हमारा यह सामान शुद्ध है, ले लो और दूसरे का अशुद्ध है, तो श्रीमन्, यह तो एक बड़ी सीरियस चीज़ है।

आज चाहे आप फल ले लीजिए, सब्जी ले लीजिए, दूध ले लीजिए या मसाले ले लीजिए, इनमें से कौन सी ऐसी चीज़ हैं, जिसमें मिलावट नहीं है? अब तो चीन ने प्लास्टिक का चावल बनाकर भेज दिया है। श्रीमन्, वह प्लास्टिक का चावल सामान्य चावल में मिलाकर बेच दिया जाता है। वह चावल के साथ पक जाता है और लोग प्लास्टिक का चावल खाने लगे हैं। मतलब, चीन भी हमारे देश के साथ एक खिलवाड़ कर रहा है। यह कितनी बड़ी समस्या है और इसमें सजा का क्या प्रावधान है? आप अगर पकड़े जाएंगे, तो 6 महीने की सजा और 1,000 रूपये जुर्माना और अगर उससे कोई मर जाएगा, तो आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है।

सर, पूरे यूरोप, पूरे अमेरिका और विश्व में शायद ही कोई ऐसा देश है, जहां मिलावट के मामले में गम्भीरता न ली गई हो। यूरोप में अगर कोई सबसे बड़ा अपराध माना जाता है, तो मिलावट को माना जाता है, लेकिन हमारे देश में सब जानते हुए भी ऐसा हो रहा है। अभी सब्जी लेने चले जाइए... चैनल्स पर दिखाया जाता है कि किस तरह इंजेक्शन लगाकर सब्जी को रातों-रात बड़ा कर देते हैं। एक इंच की लॉकी 12 इंच की हो जाती है। किस तरह सब्जी को रंग कर ताजा दिखाया जाता है, फलों के ऊपर किस तरीके से मोम लगा देते हैं, यह तो स्वास्थ्य के साथ एक प्रकार से खिलवाड़ हो रहा है। आज जो नौजवान अपनी हेल्थ के प्रति कांशस हुआ है, आज अगर उसके स्वास्थ्य के साथ यह खिलवाड़ हुआ, तो कैसे काम चलेगा? आज हार्ट के रोग, कैंसर के रोग, लीवर के रोग क्यों ज्यादा बढ़ रहे हैं? इसी मिलावट के कारण बढ़ रहे हैं। इसके पहले ये रोग क्यों नहीं होते थे?

मैं सरकार से कहूंगा कि सरकार इसको गंभीरता से ले। अगर इसके लिए कोई कानून बनाना हो, तो मैं सरकार से कहूंगा कि वह कुछ सख्त कानून बनाए। वह उसे पार्लियामेंट में लाए। हम सब उस कानून का समर्थन करेंगे, उसे पास कराएंगे।

श्री के. रहमान खान (कर्णाटक): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

†**جناب کے۔ رحمان خان (کرناٹک):** مہودے، میں خود کو اس موضوع سے سمبدّ کرتا ہوں۔

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री के. सी. त्यागी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री हरिवंश (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती कनक लता सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करती हूं।

---

† Transliteration in Urdu script.

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

डा. चंद्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI A.U. SINGH DEO (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI PARIMAL NATHWANI (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री देवेंदर गौड टी. (आंध्र प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करती हूं।

श्री सन्तियुस कुजूर (असम): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री आनंद भास्कर रापोलू (तेलंगाना): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

डा. प्रदीप कुमार बालमुचू (झारखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेंद्र सिंह माहरा (उत्तराखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री शमशेर सिंह डुलो (पंजाब): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री जयराम रमेश (आंध्र प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think it is a very, very serious matter. One of the reasons why the incidents of Cancer are increasing, is adulterated food. The Government should have very stringent laws for that. I think you may kindly report to the concerned Minister. The Government should come forward with a legislation which has teeth.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): ठीक है, सर। निश्चित तौर से यह बात बहुत ही गम्भीर है और चिंता की बात है। माननीय अग्रवाल साहब ने यह विषय जो उठाया है, इसके बारे में मैं निश्चित तौर से संबंधित मंत्री को कहूंगा, ताकि इस तरह की जो घटनाएं हैं और इस तरह की जो रिपोर्टस बताई गई हैं, ऐसी चीजें बिल्कुल न हों और इसको रोका जा सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Correct. Government should take action.

Need to conduct safety audit of Government and private buildings

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र): महोदय, मैं आग से होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। विगत मंगलवार को आग ने नेचुरल हिस्ट्री के संग्रहालय को जला कर खाक कर दिया। इसमें तमाम महत्वपूर्ण दस्तावेज जल कर राख हो गए और जो तीन महत्वपूर्ण गैलरीज़ थीं, वे भी आग पर काबू न पाने के कारण जल कर खाक हो गईं। यहां तक कि लगी हुई आग पर काबू पाने में भी काफी वक्त लगा। बताया गया कि बिल्डिंग का सेफ्टी मैकेनिज्म ठीक से काम नहीं कर रहा था।

महोदय, देश की अधिकांश महत्वपूर्ण इमारतों में सार्वजनिक, सरकारी-प्राइवेट हॉस्पिटल्स, मल्टी स्टोरीड बिल्डिंग्स भी शामिल हैं। उनका ठीक से सेफ्टी ऑडिट नहीं होता है तथा आग पर काबू पाने या रोकने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं होता है, जिससे आग लगने की दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं तथा दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। अभी हाल ही में कोल्लम में जो घटना हुई, उसमें करीब 100 से अधिक लोग मारे गए। पूरे देश के अंदर 2010 से 2014 तक, पांच साल में 1 लाख 13 हजार से ज्यादा लोग आगजनी की दुर्घटना में मारे गए हैं और उनमें महाराष्ट्र में आगजनी से मरने वालों की संख्या सबसे अधिक है। क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक महाराष्ट्र में सिर्फ 2014 में आग से करीब-करीब 4 हजार लोग मारे गए हैं। केरल और महाराष्ट्र में residential buildings में आग की सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं हुई हैं और वे असुरक्षित हैं। काफी multi-national buildings असुरक्षित हैं। Municipal Corporations टैक्सपेयर्स से तो पैसा लेती है, लेकिन इस तरह की घटना को रोकने के लिए उनके पास कोई इंतजाम नहीं है, लैडर्स नहीं हैं, आधुनिक गैजेट्स नहीं हैं। हेलिकॉप्टर आदि की भी कोई व्यवस्था उसके पास नहीं है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इसे emergency situation मान कर मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, नागपुर तथा देश के अन्य शहरों की सभी बिल्डिंग्स का सेफ्टी ऑडिट किया जाए तथा असुरक्षित इमारतों और बिल्डर्स पर सख्त कार्रवाई की जाए। यह जो आग की घटना बार-बार हो रही है, इसमें आपने देखा होगा कि सार्वजनिक स्थानों के साथ जो मंदिर तथा अन्य धार्मिक स्थल हैं, उन पर भी बहुत बुरी तरह से आघात पहुंचा है, इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि हमारी जो पुरानी धरोहरें हैं, उनको संभालने के लिए हमें विशेष प्रयास करना चाहिए। सरकार कॉरपोरेशन्स को परमिशन तो दे देती है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; time over. Shri Shamsher Singh Dullo.

श्री अविनाश पांडे (महाराष्ट्र): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

श्री रणविजय सिंह जुदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।